EHD-02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 एवं जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

हिंदी काव्य
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी–02
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2015–16)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी / ई.एच.डी–02 / टी.एम.ए / 2015–16

प्रिय छात्र / छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2015 सत्र के लिए	:	**31 मार्च 2016**
जनवरी 2016 सत्र के लिए	:	**30 सितंबर 2016**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं :

1. संदर्भ सहित व्याख्या
2. निबंधात्मक प्रश्न
3. टिप्पणियाँ

संदर्भ सहित व्याख्या में काव्यांश का संदर्भ और अर्थ, काव्य सौंदर्य तथा काव्य भाषा की विशेषताओं को शामिल किया जाना अपेक्षित है। व्याख्येय अंशों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में देने हैं। निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखने हैं तथा टिप्पणियों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में देने हैं।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
हिंदी काव्य
सत्रीय कार्य (2015–16)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी / ई.एच.डी–02
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी–02 / टी.एम.ए / 2015–16
पूर्णांक:100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **10x4=40**

(क) राणा जी थे जहर दियों म्हे जाणी।।टेक।।
जैसे कंचन रहत अगिनि में, निकसत बाराबाणी।
लोक लाज कुल काण जगत की, दह बहाय जस बाणी।
अपने घर का परदा कर ले, मैं अबला बैराणी।
तरकस तीर लग्यों मेरे हियरे, गरक गयो सनकाणी।
सब संतन पर तन मन बारों, चरण कंवल लपराणी।
मीरां के प्रभु राखिलई है, दासी अपनी जाणी।

(ख) झलकै अति सुंदर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छवै।
हँसि बोलन में छवि–फूलन की बरषा, उर–ऊपर जाति हवै।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि छवै।
अंग–अंग तरंग उठे दुति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै।।

(ग) बीती विभावरी जाग री।
अम्बर पनघट में डुबो रही–
तारा–घट उषा नागरी।
खग–कुल कुल कुल सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा,
लो यह लतिका भी भर लाई।
मधु मुकुल नवल रस गागरी।
अधरों में राग अमन्द पिये,
अलकों में मलयज बन्द किये।
तू अब तक सोई है आली
आँखों में भरे विहग री।

(घ) कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त

दोनें आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। 10x5=50

(क) आदि काव्य की प्रतिनिधि रचनाओं के संदर्भ में आदि काव्य की विशेषताएँ बताइए।

(ख) कबीर काव्य के सामाजिक पक्ष पर विचार कीजिए।

(ग) शृंगारिक कवि के रूप में बिहारी की विशेषताएँ बताइए।

(घ) केदारनाथ अग्रवाल की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

(ड.) अज्ञेय की कविता में अभिव्यक्त काव्य सौंदर्य पर विचार कीजिए।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : 5x2=10

(क) हिंदी के छायावादी कवि

(ख) रामनरेश त्रिपाठी की कविता में राष्ट्रीय भावना